सं0-869/14-5-18-66/2017 T.C-1
दि0 18-06-18

दारा सिंह चौहान
मंत्री
वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं
उद्यान विभाग, उत्तर प्रदेश।

मुख्य भवन, कक्ष संख्या-71,72
उ0 प्र0 सचिवालय, लखनऊ
कार्यालय - 0522-2238466
सी0 एच0 - 0522-2213257

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि वृक्षारोपण कार्यो से जन–जन को जोड़ने के लिए 'वन महोत्सव' (01 से 07 जुलाई, 2018) के अवसर पर वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

वनों पर निर्भर स्थानीय निवासियों एवं उद्योगों की वनाधारित उत्पादों की आपूर्ति एवं वनों द्वारा प्रदान की जाने वाली पर्यावरणीय सेवाओं की निरन्तरता बनाए रखने हेतु विद्यमान वनों की सुरक्षा व विस्तार करना सम्पूर्ण समाज का संवैधानिक, धार्मिक व नैतिक दायित्व है। हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित है अतः फसलों के साथ वृक्ष रोपित करने से एक ओर जहां कृषकों को जलौनी, कृषि औजारों की लकड़ी, पशुओं के लिए चारा जैसी दैनिक आवश्यकता की वस्तुएं अपने खेतों से ही प्राप्त हो जाती हैं वहीं दूसरी ओर इन वृक्षों के परिपक्व होने पर बिक्री से आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

हरीतिमा संवर्धन, ग्रामीण सशक्तीकरण एवं प्रदेशवासियों की आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु स्थानीय समुदाय को पौधरोपण कार्यो से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश को हरा–भरा करने व वृक्षारोपण के माध्यम से समाज के निर्धन व निर्बल वर्गों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर आय में वृद्धि हेतु महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के जॉब कार्डधारी परिवारों द्वारा निजी खेत, मेड़ों एवं सार्वजनिक भूमि व परिसरों में पौध रोपित करने की योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। गंगा नदी के किनारे हरियाली बढ़ाने एवं गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने हेतु गंगा हरीतिमा अभियान में व्यापक जन सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। वृक्षों को जन संवदेना से जोड़ते हुए वृक्षों के प्रति अपनत्व व सद्भाव की भावना जाग्रत करने हेतु मांगलिक अवसरों व प्रियजन की स्मृति अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए स्मृति वनों का विकास, धार्मिक वाटिकाओं की स्थापना, पौधरोपण में प्रत्येक प्रदेशवासी को एक पौध रोपित करने एवं निःशुल्क पौध उपलब्ध करवाने हेतु वृक्ष भण्डारा व वृक्ष दान जैसी गतिविधियों को अपनाने के लिए जन सामान्य को प्रेरित व जागरूक किया जा रहा है।

प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि धरती मॉ के ऑचल को हरा–भरा कर भावी पीढ़ी के सुखी, समृद्ध एवं स्वस्थ जीवन हेतु न केवल वन महोत्सव अपितु वर्ष पर्यन्त अधिक से अधिक पौध रोपित कर, रोपित पौधों का सिंचन व सुरक्षा करें।

'वन महोत्सव' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाए।

(दारा सिंह चौहान)